इंडस्ट्री में नए उत्पाद व तकनीक विकसित करेंगे

आईआईटी

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

- टेक्नोपार्क को लेकर हुई एसआईजी मीट आईओटी व रोबोटिक्स पर चर्चा
- प्रतिनिधि और वैज्ञानिकों ने मिलकर भविष्य की इंडस्ट्री को लेकर की चर्चा

शनिवार को आईआईटी में बने टेक्नोपार्क में कई विशेषज्ञों के साथ वैज्ञानिकों ने मंथन किया। • हिन्दुस्तान

नई तकनीक के साथ इंडस्ट्री में बड़े बदलाव आ रहे हैं। इसलिए कंपनियों को बदलाव करना जरूरी है। अन्यथा वे पीछे हो जाएंगी। इसलिए आईआईटी के वैज्ञानिक इंडस्ट्री में नए उत्पाद व तकनीक को विकसित करने में मदद करेगा। संस्थान में बने टेक्नोपार्क में इंडस्ट्री के विशेषज्ञ व आईआईटी के वैज्ञानिक संग मिलकर समस्याओं को निस्तारण करेंगे और नए उत्पाद तैयार करेंगे। इसी क्रम में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) और रोबोटिक्स पर इंडस्ट्री के विशेषज्ञ व वैज्ञानिकों ने मंथन किया।

विशेषज्ञ और वैज्ञानिक एक-दूसरे के पहलू: आईआईटी कानपुर में शनिवार को एसआईजी (स्पेशल इंट्रेस्ट ग्रुप) मीट का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ संस्थान के निदेशक प्रो. अभय करंदीकर ने किया। कहा, इंडस्ट्री के विशेषज्ञ और वैज्ञानिकों दोनों एक दूसरे के पहलू हैं। इंडस्ट्री में अगर लगातार समस्याएं आ रही हैं तो उसे वैज्ञानिक निरंतर दूर कर सकते हैं। साथ ही नई तकनीक विकसित कर उत्पाद को मजबूत कर सकते हैं। संस्थान में इंडस्ट्री तीन साल से 20 साल के लिए पंजीकरण करा सकती है। इस दौरान इंडस्ट्री को नई तकनीक से मजबूत और पुरानी समस्याओं से संस्थान के विज्ञानिक और छात्र छुटकारा दिलाएंगे।

शनिवार को संस्थान में गया स्मार्ट सिटी के सीईओ डॉ. सुमित चौधरी, टेक महिंद्रा के ग्लोबल हेड निखिल मल्होत्रा, जीई एविएशन के डायरेक्टर अरविंद राव, माइक्रोसाफ्ट इंडिया के सीनियर प्रिंसिपल रिसर्चर प्रतीक जैन, बोइंग इंडिया के लीडर कल्लप्पा पटाडा, एनालॉग डिवाइसेस के रीजनल मैनेजर रंजीत मिश्रा, विप्रो के सीटीओ प्रवीन हुनगुंड ने हिस्सा लिया।

एआई, आईओटी और रोबोटिक्स पर काम करने वाले वैज्ञानिकों की टीम ने इंडस्ट्री के विशेषज्ञों के साथ बैठकर विभिन्न समस्या और नई तकनीक पर मंथन किया। टेक्नोपार्क में अभी सात इंडस्ट्री पंजीकृत हैं। वहीं पांच से अधिक इंडस्ट्री प्रक्रिया में हैं। कार्यक्रम का आयोजन प्रो.आशीष दत्ता और प्रो. अविनाश अग्रवाल ने किया।

उद्योगों के लिए नई तकनीक तैयार करेगी आईआईटी टीम

आईआईटी में एसआईजी की बैठक में विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। जागरण न्यूज एजेंसी

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। उद्योग जगत की समस्याओं को सुलझाने और नए उत्पादों और तकनीकों को विकसित करने के लिए आईआईटी में बने टेक्नोपार्क की स्पेशल इंट्रेस्ट ग्रुप (एसआईजी) की पहली बैठक शनिवार को हुई। तय हुआ कि आईआईटी उद्योगों के लिए

टेक्नोपार्क में आईआईटी और कंपनियां मिलकर करेंगी रिसर्च

आईआईटी के निदेशक प्रो. अभय करंदीकर ने कहा कि इंडस्ट्री में अगर समस्याएं आ रही हैं तो वैज्ञानिक इसे दूर करने के साथ नई तकनीक से उत्पाद को मजबूती भी प्रदान कर सकते हैं। प्रो. अविनाश कुमार कंपनियों और आईआईटी की टीम मिलकर रिसर्च करेगी। बैठक में टेक महिंद्रा के ग्लोबल हेड निखिल मल्होत्रा, स्मार्ट सिटी के सीईओ डॉ. सुमित चौधरी, जीई एविएशन के अरविंद राव, माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के सीनियर प्रिंसिपल रिसर्चर प्रतीक जैन, एनालॉग डिवाइस के रीजनल मैनेजर रंजीत मिश्रा, विप्रो के सीटीओ प्रवीण

'टेक्नो पार्क' में 6 कंपनियों को मिली जगह

आईआईटी टेक्नो पार्क में कार्यक्रम में भाग लेने आये उद्योग लीडर व उद्यमी। फोटो : एसएनबी

कानपुर (एसएनबी)। आईआईटी कानपुर में हाल ही में स्थापित 'टेक्नो पार्क' को उद्योग जगत की सहायता से जल्द से जल्द कार्यशील बनाने की कवायद तेज हो गई है। इसके लिये शनिवार को विशेष रुचि समूह (एसआईजी) की बैठक कर विभिन्न उद्योगों से जुड़े उच्चाधिकारियों संग तकनीकों के विकास पर मंथन हुआ। आईआईटी के विशेषज्ञ प्रोफेसरों-अनुसंधानकर्ताओं ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंट (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) व रोबोटिक्स तकनीक का उपयोग करते हुए विभिन्न जरूरतों का निराकरण व उनकी व्यवसायिक संभावनाओं पर चर्चा की। निदेशक प्रो.अभय करंदीकर स्वयं उद्योग प्रतिनिधियों के बीच पहुंचे और बताया कि अभी तक छह कंपनियों को टेक्नो पार्क में स्पेस दिये जा चुके हैं तथा कई कंपनियां संपर्क में हैं। टेक्नो पार्क के कोआर्डिनेटर प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल ने उद्यमियों को पार्क की अवधारणा से अवगत कराया। प्रो.शलभ व प्रो.पीयुष राय ने एआई व मशीन लर्निंग का इस्तेमाल कर उपभोक्ताओं तक आसानी से पहुंच बनाने के तरीकों पर प्रकाश डाला। यहां संस्थान के छात्रों के विकसित किये उत्पादों व मॉडलों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। बैठक में शामिल प्रतिनिधियों में टेक महिन्द्रा के ग्लोबल हेड इनोवेशन निखिल मल्होत्रा, एनालॉग डिवाइसेस के रीजनल मैनेजर आईओटी एंड सिक्योरिटी रंजीत मिश्रा, वोवेएक्स्स टेक्नोलॉजीज के सीईओ नवीन मनस्वी, माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के सीनियर प्रिंसिपल रिसर्चर प्रतीक जैन, विप्रो के सीटीओ ग्लोबल हेड टेक्नोवेशन प्रवीन हुगुंड, जीई एविएशन के अरविंद राव,गैया स्मार्ट सिटीज सीईओ सुमित चौधरी, बोइंग रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी इंडिया के कल्लप्पा पट्टाडा जैसे उद्योग लीडर शामिल थे।